जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

ہمارا وطن ہفت روزہ

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 62 | अंक-15 | जयपुर, सोमवार, 20 अप्रैल, 2026 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

बृजवासी गौरक्षक सेना ने किया कथा वाचकों का सम्मान

जयपुर (हमारा वतन)

बृजवासी गौरक्षक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ पुत्र संत धर्मदास महाराज और राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा के द्वारा तारानगर, झोटवाड़ा जयपुर स्थित श्री गणेश मंदिर में आयोजित नानी बाई का मायरा और हनुमंत कथा के दौरान कथा वाचकों का सम्मान किया गया । राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने बताया कि खाचरियावास निवासी पंडित चंद्र प्रकाश शास्त्री का मायरा विशारद अवार्ड प्रदान कर सम्मान किया । पंडित चंद्र प्रकाश शास्त्री बहुत ही प्रभावपूर्ण वाणी से श्रोताओं को नानी बाई का मायरा का रसपान कराते हैं । उनको शास्त्र का गहन ज्ञान है । मधुर और स्पष्ट वाणी के कारण इनको मायरा विशारद अवार्ड से नवाजा गया है ।

वहीं चौमूं निवासी पेशे से चिकित्सक डॉक्टर पवन कुमार तिवाडी को हनुमंत सारथी अवार्ड से सम्मानित किया गया । डॉक्टर पवन कुमार तिवाडी अपनी ड्यूटी के बाद हनुमंत कथा को जनमानस में भक्ति के मार्ग की और अग्रसर कर रहे हैं । साथ ही हनुमान जी की वीरता, साहस और समाधान खोजने वाले गुण को लोगों के सामने ला रहे हैं । उनकी विनम्रता, निस्वार्थ सेवा भाव और ओजस्वी संवाद कला होने के कारण इनको हनुमान सारथी अवार्ड से नवाजा गया ।

पूजा शर्मा बनी जिला महामंत्री

जयपुर (हमारा वतन)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने हरमाड़ा निवासी पूजा शर्मा सुपुत्री रतनलाल शर्मा को महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव कन्हैया लाल शर्मा की अनुशंसा पर सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला महामंत्री पद पर मनोनीत किया है । पूजा शर्मा की नियुक्ति पर समाज के विभिन्न वर्गों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयाँ दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

ग्राम पंचायत घिनोई में हुआ डॉक्टरों का भव्य सम्मान

चौमूं (हमारा वतन)। ग्राम पंचायत घिनोई स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय में मुख्य अतिथि नोडल अधिकारी डॉ. लालचंद यादव और विशिष्ट अतिथि डॉ. किशन सहाय यादव, पंचायत प्रशासक एकता कंवर की अध्यक्षता में डॉ. सुनील कुमार भारती का विदाई व सम्मान समारोह आयोजन किया गया ।सरस डेयरी सचिव पशुधन सहायक रामचंद्र यादव ने बताया की डॉक्टर भारती का प्रमोशन होने पर ट्रांसफर हुआ इसलिए अस्पताल से विदाई व सम्मान समारोह हुआ । इस मौके पर ग्राम के अनेक ग्रामीणों ने माला, साफा पहनाकर तीनों डॉक्टर का सम्मान किया । इस अवसर पर पशुधन निरीक्षक कमलेश कुमार शर्मा, बद्रीनारायण यादव, अटल बिहारी सांकला, हरिकिशन सैनी, ओम प्रकाश यादव की देखरेख में प्रोग्राम आयोजन हुआ । इस मौके पर अनेक ग्रामीण व निजी क्षेत्र के पशुधन सहायक व मेडिकल स्टाफ, मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अरुणा गौड़ बनी आल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन की राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष

जयपुर (हमारा वतन)। आल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव यशपाल तिवारी की सूचना के अनुसार, राजस्थान की चर्चित ब्राह्मण महिला समाजसेवी एवं ब्राह्मण महिला परिषद की प्रदेश अध्यक्ष अरुणा गौड़ को आईबीएफ लेडीज विंग का पुनः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गौड़ ने आल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित एसडी शर्मा और केंद्रीय कार्यकारिणी का अपने पुनः मनोनयन के लिए आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि गत माह जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इनके द्वारा गत 2 वर्ष से आयोजित करवाएं जा रहे सामूहिक विवाह की राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा काफी सराहना की गई थी।

ज्योतिबा फुले जयंती पर हुआ राजस्थानी फिल्म हमारी बेटियां के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन)। 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर 22 गोदाम ज्योतिबा फुले सर्किल पर समाज के प्रबुद्धजनों ने ज्योतिबा फूले जी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए ।

इस दौरान शीघ्र आने वाली राजस्थानी फीचर फिल्म 'हमारी बेटियां' के पोस्टर का विमोचन राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वैभव गहलोत , चौमूं विधायक शिखा मील बराला, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, आमेर विधायक प्रशांत शर्मा, अनुभव चंदेल,रामलाल कच्छावा, ओलंपिक धावक गोपाल सैनी,रतन खडोलिया,पूर्व पार्षद शीला सैनी,ओम राजोरिया, सुरेश सैनी 'रेलवे', सुरेश सैनी NHAI, डायरेक्टर उग्रसेन तंवर सहित कई लोग मोजूद रहे ।

बलाई विकास समिति द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह संपन्न

चौमूं (हमारा वतन)

चौमूं शहर के मोरीजा रोड बलाई सभा-भवन पर बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं द्वारा भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती की पूर्व दिवस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

सभी अतिथियों व पदाधिकारियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर व गरीब साहेब के छायाचित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष केक काटकर जन्मदिन मनाया।

समारोह के मुख्य अतिथि बराला हॉस्पिटल के एमडी डॉ. श्रवण बराला ने बताया डॉ. अंबेडकर ने दलितों और शोषित वर्गों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया एवं महिलाओं को शिक्षित होने और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो पियेगा वह दहाड़ेगा।

अध्यक्षता कर रहे समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हिंदू धर्म में व्याप्त जाति प्रथा और छुआछूत का विरोध किया और मानवतावादी मूल्यों के कारण बौद्ध धर्म को अपनाया।

समारोह के मुख्य आकर्षण पुलिस उपाधीक्षक सोनचंद लाडणा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक और धार्मिक विकास की कुंजी मानते थे, उनका नारा था शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। इससे पूर्व सभी अतिथियों का समिति अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष नानगराम लूणिवाल एवं पदाधिकारियों ने माला, साफा एवं डॉ. अंबेडकर का छायाचित्र भेंटकर सम्मान किया। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार अशोक पहाड़िया व रवि कुमार बैरवा द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर, रामदेव जी महाराज की झांकियों सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर सभी का मनमोह लिया।

बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भंवरलाल हरसोलिया की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता देवी ने समिति को एक अलमारी भेंट करने पर उनका माला, शॉल एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर का छायाचित्र भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित मातृशक्ति का सम्मान किया। मंच संचालक राजकुमार इंद्रेश ने किया।

लू लगना भी बन सकता है कई और समस्याओं का कारण

अप्रैल होते गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। ऐसे मौसम में आपको लू लगने की समस्या न हो, इसके लिए खास एहतियात बरतना जरूरी है। गर्मियों में बढ़ता तापमान स्वास्थ्य के लिए कई समस्याएं खड़ी कर सकता है। इतना ही नहीं, दोपहर में चलने वाली हीट वेव्स यानी लू आपकी तबियत खराब कर सकती हैं। आंकड़ों की मानें तो इस बार अप्रेल के महीने में ही तापमान इतना बढ़ गया है कि जून- जुलाई की गर्मी को मात दे रहा है। हीटवेव और गर्म मौसम जो कई दिनों रह सकता है और कई लोगों की मृत्यु का कारण बन सकता है। हीटवेव प्राकृतिक खतरों में सबसे खतरनाक हैं, लेकिन शायद ही कभी इसपर ध्यान दिया जाता है क्योंकि लोगों की मृत्यु हमेशा स्पष्ट नहीं होते हैं। 1998-2017 से, 166,000 से अधिक लोग हीटवेव के कारण मारे गए। गर्मी में तेजी से वृद्धि शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता से समझौता करती है और इसके परिणामस्वरूप गर्मी में ऐंठन, थकावट, हीटस्ट्रोक और हाइपरथर्मिया सहित कई बीमारियां हो सकती हैं। हीटवेव्स कार्डियोवैस्कुलर, श्वसन, और सेरेब्रोवास्कुलर बीमारी और मधुमेह से संबंधित स्थितियों सहित कई स्थितियों को भी खराब कर सकती हैं।

1 हीटस्ट्रोक-बहुत तेज़ धूप या हीटवेव्स के कारण हीटस्ट्रोक होने का खतरा बढ़ जाता है। मानव शरीर का सामान्य तापमान लगभग 98.7 डिग्री फ़ारेनहाइट होता है। और इसे नियंत्रित न कर पाने की कमी हीटस्ट्रोक का कारण बनती है। हीटस्ट्रोक के कारण व्यक्ति अचानक बेहोश हो सकता है या उसे उल्टियां आ सकती हैं। शरीर में तेज़ दर्द भी इसका कारण हो सकता है।ऐसे में तुरंत डॉक्टर को दिखाएं, और व्यक्ति को धूप से हटाएं।

2 गर्मी से थकावट-गर्मी की थकावट हीट स्ट्रोक की तुलना में हल्की होती है, लेकिन इसका कारण समान होता है। यह आपके शरीर के बढ़ते तापमान के कारण होता है, और यह अक्सर डिहाइड्रेशन से जुड़ा होता है। हीट स्ट्रोक के विपरीत, जब गर्मी से थकावट होती है, तो आप ज़्यादा पसीना बहाते हैं। इसके अन्य लक्षणों में सिरदर्द, बेहोशी, अत्यधिक प्यास, चक्कर आना, मतली, उल्टी या दस्त, मांसपेशियों में ऐंठन, थकान और तेज दिल की धड़कन शामिल हैं। इसलिए, यदि आपको इसके कोई भी लक्षण देखने को मिलें, तो अपना लिक्विड इंटेक बढ़ाएं।

3 हीट हाइव्स-हीट हाइव्स, जिसे पित्ती के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रकार का पित्ती यानी हाइव है जो शरीर का तापमान बढ़ने या अचानक से ठंडा गर्म मिलने पर होता है। पित्ती के सबसे आम प्रकारों में से एक है और कम से कम 15 प्रतिशत आबादी में होता है। यह स्थिति आमतौर पर गर्मी या पसीने से होने वाली एलर्जी के कारण होती है। यह व्यायाम, हॉट शॉवर लेने, गर्म कमरे में रहने, मसालेदार भोजन खाने, परेशान होने या चिंता का अनुभव करने के कारण ट्रिगर हो सकती है।

हीटवेव से अपना बचाव करने के लिए आप क्या कर सकती हैं

घर के सबसे ठंडे कमरे में सोएं, खासकर रात में।

यदि अपने घर को ठंडा रखना संभव नहीं है, तो दिन के 2-3 घंटे किसी ठंडी जगह में बिताएं।

दिन के सबसे गर्म समय में बाहर जाने से बचें।

हो सके तो ज़ोरदार शारीरिक गतिविधि से बचें। यदि आपको इंटेन्स एक्सरसाइज करनी है, तो इसे दिन के सबसे ठंडे समय में करें जैसे सुबह।

जितना हो सके छाया में रहें।

बच्चों या जानवरों को खड़े वाहनों में न छोड़ें।

शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखें। ठंडे पानी से स्नान करें।

हल्के, ढीले-ढाले कपड़े पहनें। यदि आप बाहर जाते हैं, तो टोपी और धूप का चश्मा पहनें।

शराब और बहुत अधिक कैफीन और चीनी से बचें। छोटे भोजन करें और अधिक बार खाएं। उन खाद्य पदार्थों से बचें जो प्रोटीन में उच्च हैं।

भगवान शिव को समर्पित एक ऐसा रहस्यमय कुंड जहां पानी में डूब जाता है बेलपत्र, विज्ञान भी है हैरान

रुद्रावर्त कुंड भगवान शिव का एक रहस्यमय स्थल है, जहां बेलपत्र पानी में डूब जाता है और दूध सीधी धारा बनाकर नीचे चला जाता है। नैमिषारण्य के पास स्थित इस कुंड में शिव स्वयं शिवलिंग रूप में विराजमान हैं। जानिए इस चमत्कारिक कुंड की पूरी कहानी, मान्यताएं और आध्यात्मिक महत्व। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में नैमिषारण्य के निकट स्थित रुद्रावर्त कुंड एक अनोखा और रहस्यमय स्थान है। गोमती नदी के किनारे बसा यह कुंड पहली नजर में साधारण-सा लगता है, लेकिन इसके अंदर छिपी दिव्य शक्ति आज भी विज्ञान को हैरान करती है। यहां भक्त जब सच्चे मन से बेलपत्र अर्पित करते हैं, तो वह पानी में तैरने की बजाय धीरे-धीरे डूब जाता है। स्थानीय मान्यता है कि इस कुंड में स्वयं भगवान शिव शिवलिंग रूप में विराजमान हैं।

रुद्रावर्त कुंड का पौराणिक महत्व-नैमिषारण्य को 88 हजार ऋषि-मुनियों की तपोभूमि कहा जाता है। इसी क्षेत्र में स्थित रुद्रावर्त कुंड को भगवान शिव का विशेष धाम माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यहां भगवान शिव ने रुद्र रूप धारण कर त्रिपुरासुर का संहार किया था। इसी वजह से इस कुंड को रुद्रावर्त नाम मिला। भक्तों की मान्यता है कि इस कुंड में स्नान और पूजा करने से सभी प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

बेलपत्र पानी में डूबने का चमत्कार रुद्रावर्त कुंड की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां अर्पित किया गया बेलपत्र पानी में डूब जाता है। आमतौर पर बेलपत्र पानी की सतह पर तैरता रहता है, लेकिन यहां यह सीधे नीचे चला जाता है। भक्त मानते हैं कि बेलपत्र सीधे शिवलिंग तक पहुंचता है। अगर बेलपत्र जरा सा भी टूटा या खंडित हो, तो वह नहीं डूबता। यह दृश्य देखकर कई लोग हैरान रह जाते हैं।

दूध की अनोखी धारा-बेलपत्र के अलावा, यहां दूध चढ़ाने का भी चमत्कार देखा जाता है। जब भक्त दूध अर्पित करते हैं, तो वह पानी में फैलने की बजाय एक सीधी धारा बनाकर नीचे की ओर जाता दिखाई देता है। सामान्य पानी में दूध तुरंत फैल जाता है, लेकिन यहां चीजें अलग होती हैं। स्थानीय लोग इसे भगवान शिव की प्रत्यक्ष उपस्थिति का प्रमाण मानते हैं।

स्वयं शिवलिंग के रूप में विराजमान शिव- स्थानीय परंपरा और भक्तों की मान्यता है कि रुद्रावर्त कुंड में भगवान शिव स्वयं शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। इसलिए जो भी अर्पण किया जाता है, वह सीधे महादेव को प्राप्त होता है। यहां त्वचा संबंधी समस्याओं से मुक्ति और मनोकामना पूर्ति की मान्यता है।

त्वचा रोगों में राहत और मनोकामना पूर्ति-रुद्रावर्त कुंड में स्नान करने और पूजा करने से त्वचा संबंधी समस्याओं में राहत मिलने की मान्यता है। भक्तों का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से प्रार्थना करने पर सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। इस कुंड के पानी में स्नान करने और बेलपत्र अर्पित करने से मानसिक शांति भी मिलती है। रुद्रावर्त कुंड सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था और चमत्कार का जीवंत प्रमाण है। यहां आने वाले हर भक्त को भगवान शिव की उपस्थिति का अनुभव होता है।

सभी खादी संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करवाने के लिए हमें जरूर भेजें !
Email-hamarawatan65@gmail.com, whatsapp-9214996258.
Khadi For Nation
खादी भारत
Khadi India
Khadi For Fashion

नौकरी मिलने या बदलनें में आ रही है परेशानी, ग्रह दोष हो सकते हैं बाधा, इन उपायों से पाएं छुटकारा

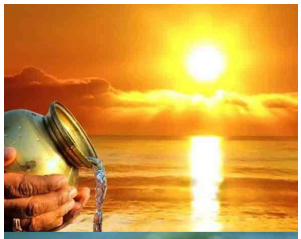

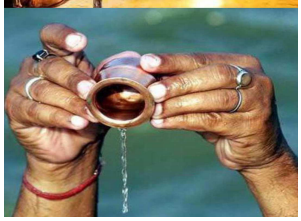

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में कुछ ग्रह दोष होने के कारण नई नौकरी मिलने या प्रमोशन में समस्याएं आती हैं। काफी ज्यादा मेहनत करने के बाद भी मनचाहा परिणाम नहीं मिल पाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है, तो इस लेख में धर्म शास्त्रों के अनुसार कुछ प्रभावी उपाय बता रहे हैं। नौकरी पाने या नौकरी बदलने की कोशिश में बार-बार बाधाएं आना, मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलना, इंटरव्यू में बार-बार असफलता, ये सभी समस्याएं अक्सर कुंडली में ग्रह दोषों के कारण होती हैं। खासकर सूर्य, शनि और गुरु ग्रह की कमजोर स्थिति नौकरी और करियर में रुकावट डाल सकती है। ज्योतिष शास्त्र में इन ग्रह दोषों को दूर करने के लिए कुछ सरल और प्रभावी उपाय बताए गए हैं, जिन्हें नियमित करने से सकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो जाते हैं।

सूर्य को अर्घ्य दें और गायत्री मंत्र का जप करें- नौकरी संबंधी बाधाओं का सबसे बड़ा कारण कुंडली में सूर्य की कमजोर स्थिति होती है। सूर्य आत्मा और सरकारी नौकरी का कारक है। अगर सूर्य पीड़ित हो, तो व्यक्ति को बार-बार नौकरी में अड़चन का सामना करना पड़ता है। इसके लिए रोज सुबह उगते सूर्य को तांबे के लोटे में जल और कुमकुम मिलाकर अर्घ्य दें। साथ ही सूर्य गायत्री मंत्र भास्कराय विद्महे महाद्युतिकराय धीमहि तन्नो आदित्यः प्रचोदयात् का रोज 11 या 21 बार जाप करें। इस उपाय से सूर्य बलवान होता है और नौकरी के योग मजबूत होते हैं।

भगवान शिव का अभिषेक करें- शनि और राहु-केतु के दोष से भी नौकरी में रुकावट आती है। ऐसे में भगवान शिव का अभिषेक बहुत प्रभावी उपाय है। रोजाना या कम से कम 40 दिनों तक शिवलिंग पर दूध, शहद, गंगाजल और बेलपत्र से अभिषेक करें। साथ में महामृत्युंजय मंत्र त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् का जाप करें। इससे ग्रह बाधाएं कम होती हैं और रुके काम बनने लगते हैं।

गुरुवार को करें ये सरल उपाय- गुरु ग्रह की कमजोर स्थिति से भी नौकरी और तरक्की में बाधा आती है। गुरुवार के दिन गुड़ और चने की दाल गाय को खिलाएं। साथ ही पीले वस्त्र पहनकर बृं बृहस्पतये नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। यह उपाय गुरु ग्रह को मजबूत करता है और भाग्य में वृद्धि करता है।

मां दुर्गा को गुड़हल के फूल चढ़ाएं- नौकरी पाने में लगातार असफलता हो रही हो, तो मां दुर्गा की पूजा करें। रोजाना ताजे गुड़हल के फूल मां दुर्गा को अर्पित करें और दुर्गा 32 नाम स्तोत्र का पाठ करें। इस उपाय से ग्रह बाधाएं दूर होती हैं और करियर में सकारात्मक बदलाव आता है।

शनिवार को करें ये उपाय-शनि दोष से नौकरी में सबसे ज्यादा रुकावट आती है। शनिवार को पीपल के वृक्ष को दूध मिले जल से अर्घ्य दें और 7 परिक्रमा लगाएं। यह उपाय शनि दोष को शांत करता है। शनि देव कर्मों के अनुसार फल देते हैं। ऐसे में अपने काम को ईमानदारी से करें, सफलता जरूर मिलेगी।

इंटरव्यू से पहले ये जरूर करें- इंटरव्यू देने जाते समय घर के बड़े-बुजुर्गों और पिता का आशीर्वाद लें। दही-शक्कर के साथ इलायची और सौंफ खाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। याद रखें, उपाय के साथ-साथ मेहनत और तैयारी भी जरूरी है। नौकरी में बाधा आने पर इन उपायों को श्रद्धा के साथ करें। साथ ही किसी योग्य ज्योतिषी से अपनी कुंडली दिखाकर ग्रहों की स्थिति जान लें। सही समय पर किए गए उपाय और निरंतर प्रयास से नौकरी जरूर मिलेगी।

जॉब्स

1. यूपीएसएससी, पद असिस्टेंट स्टैटिकल ऑफिसर, पद संख्या 929, अंतिम तिथि 11 मई 2026
2. इंडियन रेलवे, पद असिस्टेंट लोको पायलट, पद संख्या 11127, अंतिम तिथि 16 जून 2026
3. आइटीबीपी, पद कांस्टेबल बारबर, वॉशरमैन, पद संख्या 10, अंतिम तिथि 28 अप्रैल 2026
4. स्टाफ सिलेक्शन कमिशन, पद सिलेक्शन पोस्ट 14, पद संख्या 3003, अंतिम तिथि 4 में 2026
5. मध्य प्रदेश एम्पलाई सिलेक्शन बोर्ड, पद वनरक्षक जेल प्रहरी व अन्य, पद संख्या 1679, अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026
6. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, पद जूनियर असिस्टेंट, पद संख्या 180, अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026
7. सीआरपीएफ, पद ट्रेड्समैन, पद संख्या 9175, अंतिम तिथि 19 मई 2026
8. नॉर्दर्न कोलफील्ड लिमिटेड, पद हैवी व्हीकल ऑपरेटर, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य, पद संख्या 577 अंतिम तिथि 1 मई 2026

जय हिंद कंप्यूटर इंस्टीट्यूट एंड लाइब्रेरी में मनाई गई डॉ. अम्बेडकर जयन्ती

उदयपुर (हमारा वतन)। जय हिंद कंप्यूटर इंस्टिट्यूट एंड लाइब्रेरी सुखेर के तत्वावधान में बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती को पर्व के रूप में मनाया गया। संस्थान के प्रबंध निदेशक प्रदीप मेघवाल (जय हिंद) ने अपने उद्बोधन में महान युग पुरुष भीमराव रामजी आंबेडकर के बारे मे बताते हुए बताया कि डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर नाम से लोकप्रिय, भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, लेखक और समाज-सुधारक थे। मेघवाल ने बताया कि बाबा साहब आंबेडकर विपुल प्रतिभा के छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। इस अवसर पर युवराज सिंह भाटी, श्याम सिंह, प्रधानाध्यापक सुख लाल मेघवाल, समाजसेवी दिलीप सैन मीरा गरासिया, लव शर्मा, श्याम सिंह मीणा, लोकेंद्र सिंह मीणा, युवराज भाटी, अर्पित बडोला, कमला गमेती, कुलदीप खोखरिया, आसुराम, संजय कुमार डामोर एवं कुंदन लाल सैनी, गोविंद मेघवाल आदि उपस्थित रहे।

उदयवीर सिंह यादव को मिला डॉ. अंबेडकर सामाजिक समरसता सम्मान 2026

जयपुर (हमारा वतन)। उदयवीर सिंह यादव को 14 अप्रैल 2026 को टारगेट बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा डॉ. अम्बेडकर सामाजिक समरसता पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार यादव को जाति, धर्म और भेदभाव की सीमाओं को पार करते हुए मानव मूल्यों और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए उनके अटूट समर्पण के लिए दिया गया है। डॉ. अम्बेडकर सामाजिक समरसता पुरस्कार उन व्यक्तियों को दिया जाता है जो समाज में समरसता और मानव मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं। उदयवीर सिंह यादव का यह पुरस्कार उनके सामाजिक कार्य और समर्पण को दर्शाता है।

ज्योतिपुंज (कविता)

महा ज्योतिपुंज को कर नमन,आओ मिल संकल्प करें।
ज्ञान-ज्योति से हो जग आलोकित,नव मानव का रूप धरें॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन आओ मिल संकल्प करें॥
शोषित-पीड़ित के बन सहारा,शिक्षा का दीप जलाएँ हम।
दलितोद्धार के पथ पर चलकर,समता का गीत सुनाएँ हम॥
जाति-धर्म का भेद मिटाकर,एकत्व का संदेश भरें।ज्ञान-विज्ञान की किरणों से,अज्ञान-अंधेरा दूर करें॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन,आओ मिल संकल्प करें।ज्ञान-ज्योति से हो जग आलोकित,नव मानव का रूप धरें॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन आओ मिल संकल्प करें॥
कुरीतियों के बंधन तोड़ें,सद्भावों के फूल खिलाएँ।
फुले दम्पत्ति के आदर्शों को,जीवन-पथ में अपनाएँ॥
क्रांति-सूर्य के तेज से उज्ज्वल,हर मन में विश्वास जगे।नव समाज की रचना कर दें,हर हृदय में प्रकाश जगे॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन,आओ मिल संकल्प करें। ज्ञान-ज्योति से हो जग आलोकित,नव मानव का रूप धरें॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन आओ मिल संकल्प करें॥
नारी शिक्षा का दीप जलाकर,नव युग का निर्माण करें।स्वावलंबन की शक्ति देकर,जीवन का सम्मान करें॥
विद्या पाकर बने विदुषी,हर बाधा से पार करे।
संघर्षों की अग्नि में तपकर,स्वर्ण-सा उज्ज्वल निखर उठे॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन,आओ मिल संकल्प करें।
ज्ञान-ज्योति से हो जग आलोकित,नव मानव का रूप धरें॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन आओ मिल संकल्प करें॥
दीन-दुखी के बन हितकारी,सेवा का विस्तार करें।मानव-मानव एक समान हो,ऐसा सुंदर विचार करें॥
ऊँच-नीच का भेद मिटाकर,एकता का ताना-बाना बुनें।सुदृढ़, प्रफुल्लित राष्ट्र बनाकर,नव भारत का हम गाना लिखें॥
महा ज्योतिपुंज को कर नमन,आओ मिल संकल्प करें।ज्ञान-ज्योति से हो जग आलोकित,नव युग का शुभारंभ करें॥

महेन्द्र सिंह कटारिया,
नीमकाथाना, राजस्थान

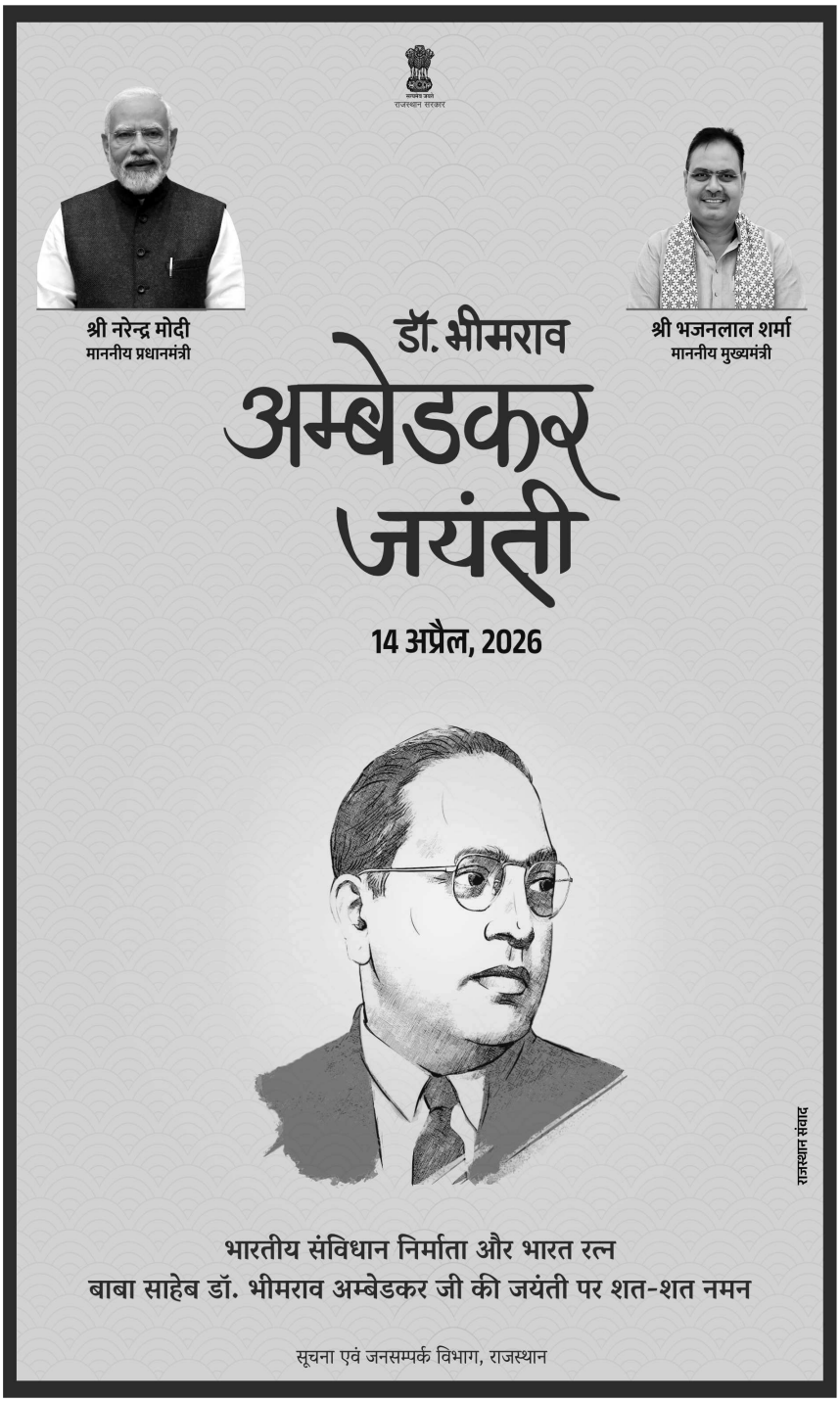

पृष्ठ 4 डाक पंजीयन संख्या : RJ/JPM/158/2024-26
(DAVP-Code No.- 120390) RNI No. 10311/1965
हमारा वतन
जयपुर, सोमवार, 20 अप्रैल, 2026

टिकिट

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस

राम गोपाल सैनी

विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था। नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं। तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा। 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला।

प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स ने CBSE 10वीं परीक्षा परिणाम में किया शानदार प्रदर्शन

जयपुर (हमारा वतन)

प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल चौमूं के विद्यार्थियों ने CBSE कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। विद्यालय के चेयरमैन कैलाश चौधरी ने सभी टॉपर्स को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों के माता-पिता को भी इस सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही विद्यालय के समर्पित स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों की मेहनत, मार्गदर्शन और निरंतर प्रयासों से ही यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हो पाया है।

विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर बेहतरीन सफलता हासिल की, जिनमें अक्षत वर्मा 94.6% कृतिका प्रजापत 93.6%, प्रिंस सैनी 92.2% प्रमुख रहे। इसके अतिरिक्त विज्ञान विषय में अक्षत वर्मा 97%, कृतिका प्रजापति, आर्यन शर्मा, आयुष सैनी, ऋभ गोरा, हितेश कुमावत, आयुष यादव, पुलकित अग्रवाल, हिमांशु कुमावत, ऋद्धि शर्मा ने 90% से अधिक अंक प्राप्त

किए। हिंदी विषय में ऋभ गोरा 98%, ऋद्धि शर्मा, अक्षत वर्मा, कृतिका प्रजापति, पुलकित अग्रवाल, प्रिंस सैनी, अवनी लखेरा, दीक्षांत चौधरी, रितिका चौधरी, प्रतीक मीना, हितेश कुमावत, सिमरन चौधरी, भावना सोनी, मानसी निठारवाल, जितेश यादव, आर्यन शर्मा, पुनीत कुमावत, दिव्यांका धाकर,कृपा यादव, मीनल कुमावत, हिमांशु कुमावत, प्रियंका मीना, रिशु कोलावत, प्रवीण भारद्वाज,दिव्यांश कोलावत और रिषभ गोरा, सामाजिक विज्ञान में अक्षत वर्मा 98%, कृतिका, अवनी, पुलकित, रिद्धि, दीक्षांत, आर्यन, प्रिंस, हितेश और रिद्धि शर्मा ,गणित में कृतिका, अक्षत, प्रिंस, हिमांशु, अवनी, पुलकित, हितेश, अनीश सैनी, आयुष सैनी और प्रिंस सैनी, अंग्रेज़ी में प्रिंस सैनी 96%, अक्षत, सिमरन चौधरी, ऋद्धि , कृतिका, प्रियंका मीना, पुलकित अग्रवाल सभी ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए है। सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अपने माता-पिता के निरंतर सहयोग को दिया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य अभिषेक कुमार, राहुल निठारवाल, राजवीर पिपलोदा , अशोक यादव, महावीर जाट, योगेन्द्र शर्मा और शिवम सेन उपस्थित रहे।

चौमूं में नव कुंडीय परशुराम महायज्ञ हुआ संपन्न, यजमानों ने दी 21,000 आहुतियां

जयपुर (हमारा वतन)। श्याम कॉलोनी स्थित श्याम मंदिर में भगवान परशुराम मानस परिवार के तत्वावधान में नव कुंडीय परशुराम महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर साधु-संतों का समागम हुआ तथा वैदिक विधि-विधान के साथ यज्ञ संपन्न कराया गया। यज्ञ में पंडित अरुण कुमार शर्मा एवं पंडित ईश्वर दास शर्मा के निर्देशन में उपाचार्य पंडित मनोज कुमार शर्मा सहित 11 विद्वान पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ 21,000 आहुतियां दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवारी ने की, जबकि कार्यक्रम के प्रधान यजमान समाजसेवी गोपाल शर्मा रहे। इस धार्मिक आयोजन में महामंडलेश्वर हरि कृष्ण दास महाराज, ग्वालिया बाबा (हाड़ोता) एवं श्री

श्री 1008 नरसिंहपुरी महाराज (उदयपुरिया मठ) का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आरपीएस प्रदीप कुमार शर्मा, नगर परिषद के पूर्व उपसभापति किरण शर्मा, फैसी एवं फुटवियर व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन कुमार सैनी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा, कमलेश शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान बनवारी लाल शर्मा, चंद्र प्रकाश शर्मा, नारायण लाल शर्मा, राधेश्याम जोशी, एडवोकेट अजय कुमार शर्मा, नरेंद्र कुमार सोलंकी एवं दामोदर प्रसाद खांडलवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

सोया सूरज (कविता)

रात अँधेरी कब तलक होगी,
जब तक सूरज सोया है,वक्त हमारा फिर आएगा,अभी तनिक सा सोया है।
सुबह भी होगी दिन भी होगा,
और शाम मुस्काएगी,जुगनू अपने घर जाने को, सारा दिन रोया है। कल तलक हारे जो हमसे, बाज़ी फिर उन हाथों में,जनता भाग रही आगे,सत्ता उन्हीं के हाथों में।
फिर से जाग उठेगा सिंह,अभी तनिक सा सोया है, वक्त हमारा फिर आएगा, अभी तनिक सा सोया है।
जन-सेवक बनकर उभरे थे,वो स्वयंभू रखवाले,
गरजे उतना बरसे ना वो,काले बादल मतवाले।
जिनको हमने राज दिया था,वो ताज पहन कर सोया है,
वक्त हमारा फिर आएगा,
अभी तनिक सा सोया है।

विनोद शर्मा वेणु

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।